डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ) दिनांक 15.11.2017

राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस

डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन में जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पवन तिवारी, आउटपुट हेड दैनिक जागरण, लखनऊ, विशिष्ट अतिथि प्रो0 के0के0 मिश्र, राजनीति विज्ञान, बी0एच0यू0 वाराणसी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 मनोज दीक्षित कुलपति अवध विश्वविद्यालय ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पवन तिवारी ने कहा कि इक्कीसवीं सदी की पत्रकारिता के दौर में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया की सोशल मीडिया की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि प्रिंट मीडिया को अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए भ्रामक समाचारों से दूर रहना होगा क्योंकि सोशल मीडिया में भ्रामक खबरे समाज के समक्ष बडी चुनौती खडी कर देती है। श्री तिवारी ने अपने उदबोधन में बताया कि एक सर्वे ने स्पष्ट किया कि पेरे देश में लगभग 70 करोड़ मोबाइल यूजर हैं, इसमे लगभग 35 करोड़ लोग स्माटफोन धारक हैं। इसका कारण सूचना के सागर में भ्रामक समाचार समाज के समक्ष चुनौतियां खडी कर रहे हैं।

अपने उदबोधन में प्रो0 के0के0 मिश्र ने पत्रकारिता को श्रम साध्य बताया। उन्होने इसे त्याग का मार्ग बताया। 21वीं सदी की पत्रकारिता तथ्यों एवं मूल्यों की पत्रकारिता नही है। पत्रकारिता जनजागरण के मूल में पत्रकारिता है, पत्रकारिता प्रेरणादायी होती है इसे तथ्यहीन बनने से रोकना होगा।

अपने अध्यक्षीय उदबोधन में प्रो0 मनोज दीक्षित, कुलपति अवध विश्वविद्यालय ने कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना के बाद से प्रारम्भ हुआ। आज के दौर में पत्रकारिता जैसे गंभीर विषय को फेसबुक एवं व्हाटसअप से न जोडा जाये क्योंकि ये सोशल मीडिया सिर्फ मूल प्लेटफार्म है। इसकी विश्वसनीयता पर सवाल खडे हैं। पत्रकारिता पथ प्रदर्शक होती है। सोशल मीडिया तत्काल प्रभाव छोडंती है जबकि इसका दीर्धकालिक प्रभव नही रह पाता। समाचार पत्र विश्वसनीय होते हैं क्योंकि उनमें तथ्य होता है, दायित्व का बोध होता है, इसलिए इसकी तुलना सोशल मीडिया से नही की जा सकती है।

कार्यक्रम का स्वागत उपबोधन प्रो0 एस0एन0 शुक्ला समन्वयक जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग ने किया। कार्यक्रम का संचालन डा0 विजेन्दु चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में कुलानुशासक प्रो0 आर0एन0 राय, प्रो0 एस0के0 रायजादा, डा0 विनोद श्रीवास्तव, डा0 अनुराग पाण्डेय, डा0 राजेश सिंह कुशवाहा, डा0 राज नारायन पाण्डेय, डा0 अनिल कुमार विश्वा सहित अन्य शिक्षकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम में शशांक, अमित, आशुतोष, स्वेच्छा, शोभा, दीपाली, युक्ति, अनुज, स्वप्निल, शिवेन्द्र, मोहित, वैभव अभिषेक आदि ने सक्रिय सहभागिता प्रदान की।

नोट : फोटो मेल पर संलग्न है।

मीडिया प्रभारी